

वेदाध्ययनम्/वेद अध्ययन

(345)

शिक्षकाङ्कितमूल्याङ्कनपत्रम्/

शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र

पूर्णाङ्काः/पूर्णांक - 20

- निर्देशः - i) सर्वे प्रश्ना अनिवार्याः। प्रश्नानुसारं समक्षं सर्वे अङ्का निर्देशिताः।
ii) उत्तरपुस्तिकायाः सम्मुखे स्वनाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या शिक्षणकेन्द्रस्य च नाम इति सर्वं लेखनीयम्।
- निर्देश - i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अङ्क सामने दिए गए हैं।
ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमाङ्क संख्या, अध्ययन केन्द्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत। 2 × 1=2
(क) वैदिकवाङ्मयविषये संक्षेपेण परिभाषयत। (द्रष्टव्यः पाठः-1)
(ख) ऋग्वेदे सूक्तानाम् विषये स्वविचारान् लघुनिबन्धात्मक पद्धत्यां लिखत। (द्रष्टव्यः पाठः-2)
किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए।
(क) वैदिकवाङ्मय को संक्षेप में परिभाषित कीजिए। (देखें पाठ-1)
(ख) ऋग्वेद में सूक्तों के विषय में अपने विचार लघुनिबन्ध पद्धति में लिखें। (देखें पाठ-2)
2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत। 2 × 1=2
(क) ऋग्वेदे दशममण्डले भाषागतभेदं स्वभाषया वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः-2)
(ख) प्रायश्चित्तविषये अथर्ववेदे यद् उक्तं तद् संक्षेपेण लिखत। (द्रष्टव्यः पाठः-4)
किसी एक प्रश्न का उत्तर 40 -60 शब्दों में लिखिए।
(क) ऋग्वेद के दशम मण्डल में भाषागतभेद को अपनी भाषा में वर्णन करें। (देखें पाठ-2)
(ख) प्रायश्चित्त विषय पर अथर्ववेद में जो कहा गया है उसे संक्षिप्त में लिखिए। (देखें पाठ-4)
3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40 -60 शब्देषु लिखत। 2 × 1 = 2
(क) 'अनुदात्तं पदमेकवर्जम्' इति सूत्रं व्याख्यायत। (द्रष्टव्यः पाठः-8)
(ख) प्रातिपदिकस्वरविषये संक्षेपेण प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः-9)
किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए।
(क) 'अनुदात्तं पदमेकवर्जम्' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-8)
(ख) प्रातिपदिक स्वर विषय का वर्णन संक्षिप्त में करें। (देखें पाठ-9)
4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत। 4 × 1 = 4
(क) के गतिसंज्ञकाः उच्यन्ते विस्तारेण प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः-14)
(ख) अग्निसूक्ते अग्निमीले पुरोहितम् इत्यादि मंत्रं व्याख्यात। (द्रष्टव्यः पाठः-15)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए।

(क) गतिसंज्ञक किसे कहते हैं? विस्तार से बताइए।

(देखें पाठ-14)

(ख) अग्नि सूक्त में अग्निमीले पुरोहितम् इत्यादि मंत्र की व्याख्या करें।

(देखें पाठ-15)

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत।

4 × 1 = 4

(क) इंद्रस्य पराक्रमयुक्तकार्याणि वर्णयत।

(द्रष्टव्यः पाठ:-16)

(ख) पुरुषसूक्ते पुरुषस्य स्वरूपं वेदोक्तविधिना प्रतिपादयत।

(द्रष्टव्यः पाठ:-17)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए।

(क) इंद्र के पराक्रमयुक्त कार्यों का वर्णन करें।

(देखें पाठ-16)

(ख) पुरुष सूक्त में वर्णित पुरुष के स्वरूप का वेदोक्त विधि से प्रतिपादित कीजिए।

(देखें पाठ-17)

6. अधोलिखतयोः कमपि विषयमाश्रित्य परियोजनाविवरणं 500 शब्देषु लिखत।

6 × 1 = 6

(क) देवीसूक्तस्य सारं लिखत।

(द्रष्टव्यः पाठ:-19)

(ख) अक्षसूक्तस्य विषये स्वविचारान् प्रतिपादयत।

(द्रष्टव्यः पाठ:-21)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजनारूप में विवरण 500 शब्दों में लिखिए।

(क) देवी सूक्त का सार लिखें।

(देखें पाठ-19)

(ख) अक्षसूक्त के विषय में अपने विचार रखिए।

(देखें पाठ-21)